विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनाने के लिए टीम वर्क से करें काम : आनंदीबेन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के अटल सभागार में बुधवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता में आवश्यक सुधार एवं राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एनआई आरएफ फ्रेमिंग, क्यूएस एशिया रैंकिंग एवं क्यूएस वर्ड रैंकिंग के लिए एक दिवसीय रैंकिंग उन्नयन कार्यशाला 2025 का आयोजन हुआ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि

- पुनर्वास विवि में प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का जमावड़ा
- राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ रैंकिंग उन्नयन कार्यशाला

विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय निर्माण के लिए हमें टीम वर्क के साथ काम करना है इसके लिए हमें मैं से हम की भूमिका में उतरना होगा यह तभी संभव है जब सभी विश्वविद्यालय संयुक्त विचार विमर्श के आधार पर मिल कर कार्य करें। एनआई आरएफ रैंकिंग के लिए यह बहुत जरुरी है कि आवश्यक दिशा निर्देश (गाइडलाइन) के अनुसार प्रस्ताव तैयार किया जाए इसीलिए इस प्रकार के कार्यशाला की आवश्यकता है। आज का यह सेमिनार जो वर्ल्ड रैंकिंग के लिए आयोजित किया गया था इसके प्रेजेंटेशन को सभी विश्वविद्यालयों में दो दिनों के भीतर दिखाया जाना चाहिए। विश्व भारत से क्या चाहता है? इस पर विचार करते हुए हम सभी को आगामी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार रहना है। यह कार्यशाला राज्यपाल उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम बोबडे, विशेष कार्याधिकारी डॉ. पंकज एल जॉनी और डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह के संयोजन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बतौर विशेष वक्ता आये प्रो. संजीत सिंह (महानिदेशक यूपीसी आरएएम) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वयं पोर्टल के माध्यम से शैक्षिक गतिविधियों का संचालन करते हुए एवं एसडीजी पोर्टल के माध्यम से प्रकाशन सम्बंधित कार्य के साथ हम अपने विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों को रैंकिंग प्रक्रिया में बेहतरीन स्थान दिला सकते है। उत्तर प्रदेश के लगभग 30 विश्वविद्यालयों को 60 से 70 प्रोजेक्ट मिले हैं लेकिन आपसी सहयोग के साथ हमने कार्य नहीं किया। रैंकिंग के लिए आवेदन करते समय कई केटेगरी ऐसी है सहयोग (कोलब्रेशन) से बेहतर स्थान प्राप्त कर सकते है। हर विश्वविद्यालय अपने फैकल्टी मेंबर को बाहर भेज कर और अन्य विदेशी विश्वविद्यालयों से फैकल्टी मेंबर को अपने यहां बुलाकर संयुक्त शोध के माध्यम से हम अपनी स्थिति बेहतर कर सकते है। रैंकिंग उन्नयन कार्यशाला-2025 के संपन्न होने के बाद छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो. विनय पाठक आदि ने कार्यशाला की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने राज्यपाल का आभार जताते हुए कहा आपके मार्गदर्शन एवं निर्देश पर आज की यह कार्यशाला सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला से हम सभी लाभान्वित हुए हैं। हमारे विश्वविद्यालय में पहली बार आज यहां सभी कुलपतिगणों का संगम हो रहा है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों के सभी कुलपतिगणों के साथ, विश्वविद्यालयों के कुलसचिवगण, आईक्यूएसी समन्वयक एवं वित्त अधिकारीगण भी मौजूद रहे एवं मंच का संचालन डॉ कौशिकी सिंह ने किया।

प्रतिभाशाली महिलाओं को शोध कार्य के लिए किया जा रहा प्रोत्साहित : डॉ. रश्मि शर्मा

इस अवसर पर विशेष वक्ता के रूप में आयी डॉ. रश्मि शर्मा (वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष एनसीटीसी, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग नई दिल्ली) ने शोध एवं विकास में अवसर विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अनेक प्रकार की ग्रांट दी जा रही है। महिलाओं को अनेक कारणों से अपने शिक्षा एवं शोध को बीच में छोड़ना पड़ता है। ऐसे में प्रतिभाशाली महिलाओं को शोध कार्य एवं शोध परियोजनाओं में प्रोत्साहित करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा दी गयी ग्रांट उनके लिए कारगर साबित हो सकती है।

विश्व पटल पर विजिबिलिटी बढ़ेगी : डॉ. अश्विन फर्नांडीज

इस अवसर पर एशिया-अफ्रिका रिजन, क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग, यूके के सीईओ से आये डॉ. अश्विन फर्नांडीज ने ग्लोबल रैंकिंग बढ़ाने के लिए रणनीतियों पर विचार करते हुए कहा कि क्यूएस एशिया रैंकिंग एवं क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग का उद्देश्य अपने लिए एक मानक स्थापित करना है। उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों को वैश्विक रैंकिंग प्रक्रिया से गुजरना होगा जिससे हमारे विश्वविधालय और संस्थान वैश्विक प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग करते हुए अपने को स्थापित कर सकेंगे। इससे न सिर्फ विश्व पटल पर उनकी विजिबिलिटी बढ़ेगी बल्कि भारतीय विश्वविद्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों की संख्या बढ़ेगी।

नेशनल रैंकिंग के लिए बनायेंगे रणनीति : डॉ. अनिल कुमार नासा

इस अवसर पर विशेष वक्ता के रूप में आये राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ. अनिल कुमार नासा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर श्रेणीकरण (नेशनल रैंकिंग) के लिए हमें रणनीति बनाकर कार्य करना होगा। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता पूर्ण सुधार के लिए हमें नैक एवं नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिएशन की प्रक्रिया से गुजरना होगा। टीचिंग लर्निंग एंड रिसोर्सेज में आवश्यक सुधार की जरुरत है। इसके लिए एनआई आरएफ के 05 महत्वपूर्ण बिन्दुओं के अंतर्गत 17 तरह की श्रेणी में आकड़ों को नियोजित करके हम मूल्यांकन प्रक्रिया में प्रतिभाग कर सकते हैं।

विश्व स्तरीय विवि के लिए टीम वर्क जरूरी: राज्यपाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार: डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। पुनर्वास विश्वविद्यालय में राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल की प्रेरणा प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता में आवश्यक सुधार एवं राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एनआईआरएफ फ्रेमिंग, क्यूएस एशिया रैंकिंग एवं क्यूएस वर्ड रैंकिंग के लिए एक दिवसीय रैंकिंग उन्नयन कार्यशाला-2025 का आयोजन में राज्यपाल ने कहा कि विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय निर्माण के लिए हमें टीम वर्क के साथ काम करना है इसके लिए हमें मैं से हम की भूमिका में उतरना होगा।

आज का यह सेमिनार जो वर्ल्ड रैंकिंग के लिए आयोजित किया गया था इसके प्रेजेंटेशन को सभी विश्वविद्यालयो में 2 दिनों के भीतर दिखाया जाना चाहिए। विश्व भारत से क्या चाहता है। इसपर विचार करते हुए हम सभी को आगामी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार रहना है। राज्यपाल उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम बोबडे, विशेष कार्याधिकारी डॉ. पंकज एल जॉनी एवं पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह के संयोजन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

यूके से पधारे हुए डॉ. अश्विन फर्नान्डीज ने ग्लोबल रैंकिंग बढ़ाने के लिए रणनीतियों पर विचार करते हुए कहा कि वर्ल्ड रैंकिंग का उद्देश्य

अपने लिए एक मानक स्थापित करना है। उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविधालयों को वैश्विक रैंकिंग प्रक्रिया से गुजरना होगा जिससे हमारे विश्वविधालय और संस्थान वैश्विक प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग करते हुए अपने को स्थापित कर सकेंगे इससे न सिर्फ विश्वपटल पर उनकी विजिबिलिटी बढ़ेगी बल्कि भारतीय विश्वविद्यालयो में अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों की संख्या बढ़ेगी। अनिल कुमार नासा ने अपने विचार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर श्रेणीकरण (नेशनल रैंकिंग) हेतु हमें रणनीति बना कर कार्य करना होगा।

इस अवसर पर विशेष वक्ता के रूप पधारे हुए प्रो. संजीत सिंह ने कहा कि स्वयं पोर्टल के माध्यम से शैक्षिक गतिविधियों का संचालन करते हुए एवं एसडीजी पोर्टल के माध्यम से प्रकाशन सम्बंधित कार्य के साथ हम अपने विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों को रैंकिंग प्रक्रिया में बेहतरीन स्थान दिला सकते है। पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि आज के रैंकिंग उन्नयन कार्यशाला-2025 में अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समरोह की शोभा बढ़ाने वाली, कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष का मैं उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों की ओर से हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनाने के लिए टीम वर्क जरूरी : राज्यपाल

पुनर्वास विवि में हुई कार्यशाला में मौजूद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व अन्य। -संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पहचान में उसकी रैंक बहुत मायने रखती है। इसलिए बेहतर रैंकिंग के लिए हमेशा टीम वर्क जरूरी है। ये बातें राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित रैंकिंग उन्नयन कार्यशाला में कहीं।

उन्होंने कहा कि एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए जरूरी है कि आवेदन प्रस्ताव तैयार किया जाए।

कार्यशाला में एशिया अफ्रीका रीजन के सीईओ डॉ. अश्विन फर्नांडीज ने कहा राज्य विश्वविद्यालयों को वैश्विक रैंकिंग प्रक्रिया से गुजरना होगा। नैक सदस्य सचिव डॉ. अनिल कुमार ने टीचिंग लर्निंग एंड रिसोर्सेज बढ़ोतरी पर जोर दिया। इस दौरान यूपीसीआरएएम के महानिदेशक प्रो. संजीत सिंह, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक, वैज्ञानिक व एनसीटीसी की अध्यक्ष डॉ. रश्मि शर्मा मौजूद रहे।

दो में काम पूरा होगा। जिसके बाद लोग इस्तेमाल कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय साथ काम करें: राज्यपाल

लखनऊ। शकुन्तला विश्वविद्यालय में एक दिवसीय रैंकिंग उन्नयन कार्यशाला 2025 का आयोजन हुआ। अटल सभागार में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में कार्यशाला में प्रदेश भर के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का जमावड़ा रहा।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय निर्माण के लिए हमें टीम वर्क के साथ काम करना है। इसके लिए हमें मैं से हम की भूमिका में उतरना होगा। यह तभी संभव है जब सभी विश्वविद्यालय संयुक्त विचार विमर्श पर मिल के कार्य करें। अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम. बोबडे समेत अन्य मौजूद रहे।

www.jagran.com

विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय निर्माण के लिए टीम वर्क जरूरी : राज्यपाल

डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय में हुई रैंकिंग उन्नयन कार्यशाला

जासं • लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनाने के लिए हमें 'मैं' से 'हम' की भूमिका में आना होगा। यह तभी संभव है जब सभी विश्वविद्यालय मिलकर कार्य करें और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए सामूहिक प्रयास करें। वह बुधवार को डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित रैंकिंग उन्नयन कार्यशाला-2025 को संबोधित कर रही थीं।

कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भाग लिया। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की एनआइआरएफ, क्यूएस एशिया रैंकिंग, क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में बेहतर स्थान पाने के लिए विश्वविद्यालयों को दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रस्ताव तैयार करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यशाला में प्रस्तुत प्रजेंटेशन को सभी विश्वविद्यालयों में अगले दो दिनों के भीतर दिखाया जाए ताकि अधिक से अधिक शिक्षक और शोधार्थी इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग, यूके के एशिया-अफ्रीका क्षेत्र के सीईओ डा. अश्विन फर्नांडिज ने कहा कि ग्लोबल रैंकिंग बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भाग लेना होगा। इससे न केवल उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनेगी,

डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुर्नवास विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में राज्यपाल आंनदीबेन पटेल और राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति • सौजन्य : विश्वविद्यालय

बल्कि विदेशी विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ेगी।

17 श्रेणियों के आंकड़ों से सुधार सकते हैं स्थिति : राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड, नई दिल्ली के सदस्य सचिव डा. अनिल कुमार नासा ने कहा कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के लिए नैक और राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड की प्रक्रियाओं को अपनाना जरूरी है। एनआइआरएफ के पांच प्रमुख बिंदुओं और 17 श्रेणियों के आंकड़ों को व्यवस्थित कर विश्वविद्यालय अपनी स्थिति सुधार सकते हैं। कार्यशाला में वैज्ञानिक एवं एनसीटीसी, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, नई दिल्ली की अध्यक्ष डा. रश्मि शर्मा ने रिसर्च एंड डेवलपमेंट के अवसरों पर बात करते हुए कहा कि सरकार शोध कार्यों के लिए विशेष अनुदान दे रही है, विशेष रूप से महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। यूपीसीआरएएम के महानिदेशक प्रो. संजीत सिंह ने विश्वविद्यालयों को सुझाव दिया कि वे फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विदेशी शिक्षकों को आमंत्रित करें और अपने शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में भेजें, जिससे रैंकिंग में सुधार होगा। डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, समन्वयक और वित्त अधिकारी उपस्थित रहे। मंच का संचालन डा.कौशिकी सिंह ने किया।

विश्वस्तरीय विवि निर्माण के लिए टीमवर्क जरूरी : राज्यपाल

लखनऊ (एसएनबी)। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय निर्माण के लिए हमें टीम वर्क के साथ काम करना है। इसके लिए हमे मैं से हम की भूमिका में उतरना होगा। यह तभी सम्भव है जब सभी विवि संयुक्त विचार विमर्श के आधार पर मिलकर काम करें। यह बातें प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती पटेल बुधवार को डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के अटल सभागार में आयोजित एक दिवसीय रैंकिंग उन्नयन कार्यशाला की अध्यक्षता के दौरान अपने संबोधन में कहीं।

राज्यपाल ने कहा कि रैंकिंग के लिए यह बहुत जरूरी है कि आवश्यक दिशा निर्देश (गाइड लाइन) के अनुसार आवेदन प्रस्ताव तैयार किया जाए। इस प्रकार की कार्यशाला की आवश्यकता है। आज का यह सेमिनार जो वर्ल्ड रैंकिंग के लिए आयोजित किया गया है। इसके प्रेजेटेशन को सभी विश्वविद्यालयों में दो दिनो के भीतर दिखाया जाना चाहिए।

कार्यशाला में सीईओ एशिया अफ्रीका रीजन डा. अश्वनी फर्नाडीज ने ग्लोबल रैंकिंग बढ़ाने के लिए रणनीतियों पर विचार करते हुए कहा कि एशिया रैंकिंग एव वर्ल्ड रैंकिंग का उद्देश्य अपने लिए एक मानक स्थापित करना है। उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों को वैश्विक रैंकिंग प्रक्रिया से गुजरना होगा। जिससे हमारे विवि और संस्थान वैश्विक प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग करते हुए अपने को स्थापित कर सकेंगे।

इस मौके पर विशेष वक्ता के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के सदस्य सचिव डा. अनिल कुमार नासा ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर श्रेणीकरण के लिए हमें रणनीति बनाकर कार्य करना होगा। डा. रश्मि शर्मा ने कहा कि रिसर्च एंड डे वलपमेंट के क्षेत्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अनेक प्रकार की ग्रांट दी जा रही है।

Guv urges varsities to boost research for higher rankings

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Governor Anandiben Patel has urged vice-chancellors of state universities to strengthen research and foster mutual cooperation in knowledge sharing to improve their performance in national and international rankings. She made these remarks during a ranking workshop held at Dr Shakuntala Misra National Rehabilitation University on Wednesday.

The objective of the workshop was to guide state universities on strategies required to transform them into world-class institutions, enabling them to achieve high rankings at the national and international levels and become globally competitive.

Addressing the gathering, the governor said, "Give opportunities to young talent, as only youth full of innovation and energy can play a vital role in advancing institutions. Universities must change their mindset and cultivate a spirit of mutual cooperation," she said. She emphasised that

Governor Anandiben Patel addressing the gathering

institutions should prioritize knowledge exchange and collaboration rather than solely focusing on competition, ensuring that the rankings of all universities improve collectively.

She also pointed out the need to enhance the quality of university websites, stressing that comprehensive and accurate information should be readily available to students. Universities should ensure that details regarding hostels, research facilities, extra-curricular activities, and other amenities are presented clearly and attractively on their websites.

"There is a need to focus on research and development. Universities must strengthen their research efforts, making them relevant and impactful. They should collaborate on research projects, increase cooperation in PhD work, promote book writing and translation initiatives, and ensure widespread dissemination of knowledge," she added.

Discussing opportunities in research and development, the governor urged universities to prepare strong proposals and projects that would help them secure grants from the department of science and technology.

Addressing the vice-chancellors, she called for working in the spirit of Vasudhaiva Kutumbakam to ensure that education and research have a profound impact on society and the country.

She further emphasised the need to develop a positive academic and research culture in universities, improve the examination system, and end the practice of offering re-examinations to failed students.